9

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

परीक्षा के नाम की सील: हाई स्कूल 2009

1. विषय कोड 3 0 0 — परीक्षा का विषय सामाजिक विज्ञान

2. परीक्षा का माध्यम English — परीक्षा की दिनांक 7/3/09

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर [redacted] — कोड T-1035, सेट C

केन्द्र क्रमांक की सील
केन्द्राध्यक्ष
केन्द्र क्र. 461019

[redacted]

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक K 41[redacted]

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

[redacted]	9	4	6	1	8	4	3	8

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

Nine | Four | [redacted] | Four | [redacted]

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में एक अंकों में 1

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 02 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) [signature]

नाम श्रीमती [illegible] पद सह. शि.

पता/संस्था

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

[signature]

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक
1		5	11		4	21		5
2		2	12		4	22		
3		5	13		5	23		
4		5	14		5	24		
5		5	15		5	25		
6		4	16		5	26		
7		4	17		5	27		
8		4	18		5	28		
9		4	19		5	29		
10		4	20		5	30		
कुल प्राप्तांक	शब्दों में: [illegible]					अंकों में: 95		

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है . . . . अनुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या मूल्यांकन के समय सही पाई गई है। होलोक्राफ्ट स्टीकर चस्पा स्थिति में यथावत् र. . हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैंने सभी प्रश्नों के उत्तरों का गहन मूल्यांकन किया है। उत्तर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक) [signature]

परीक्षक क्रमांक

हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)

दिनांक.................

हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

दिनांक.................

BSEMP

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

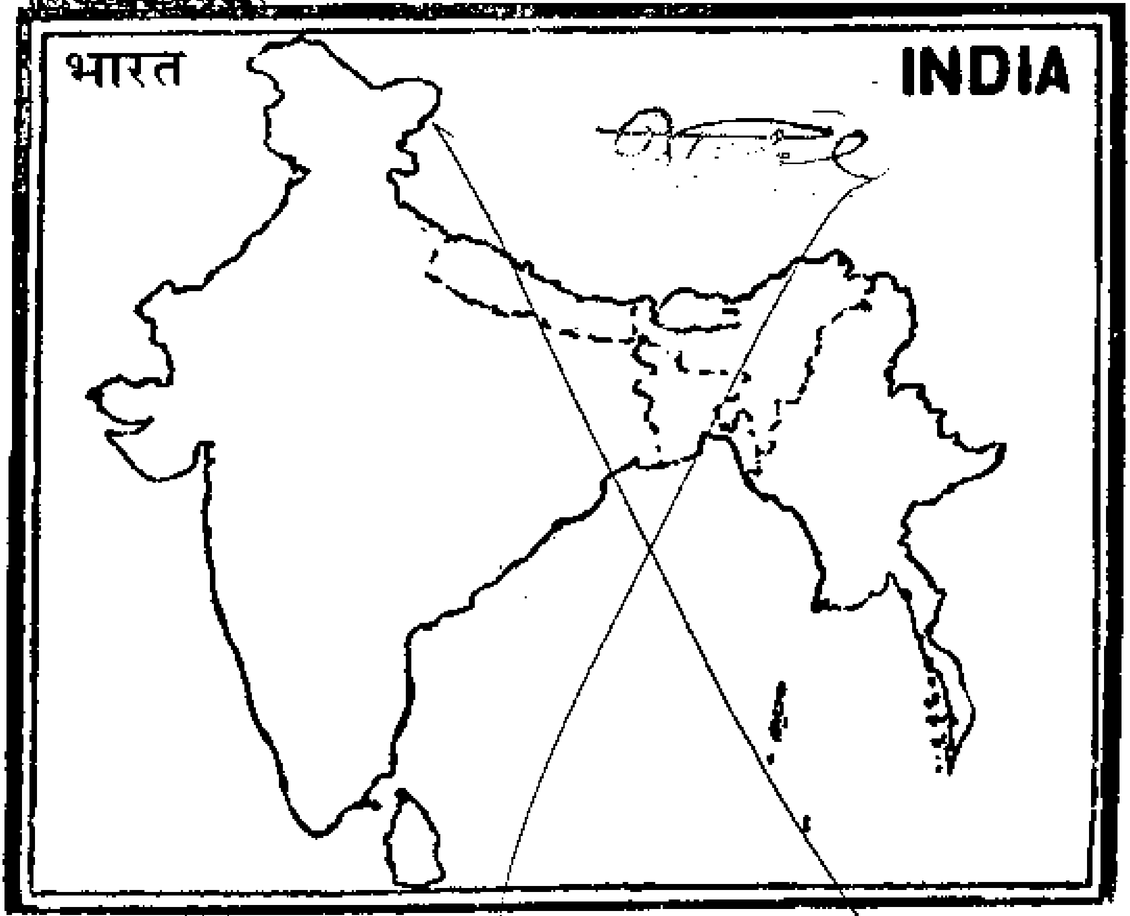
भारत
INDIA

3

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ

खण्ड - अ

प्रश्न - 1 :

1) बंकिम चन्द्र चटर्जी — आनन्द मठ

2) असम - काजीरंगा — एक सींग वाला गेंडा

3) संघ सूची — केन्द्र सरकार

4) लोक सभा का सदस्य — भारत का नागरिक

5) परिवहन एवं संचार — तृतीयक क्षेत्र

प्रश्न - 2 (अ) एक टन कागज बनाने के लिए कितने टन बाँस की आवश्यकता होगी?

उ :- 2.4 Ton.

(ब) म. प्र. का "ज्वालियाँवाला बाग" किसे कहा जाता है?

उ = सिवनी।

(स) राज्य की कार्यपालिका का प्रधान होता है?

उ = राज्यपाल।

(द) उत्पादन-कार्य में पूँजी लगाने को कहते हैं?

उ = निवेश

(इ) भारतीय अर्थव्यवस्था में किस प्रणाली को अपनाया गया है?

उ = मिश्रित अर्थव्यवस्था

BSEMP

पृष्ठ के

4

B S E M P

प्रश्न - 3.

अ) मछली उत्पादन में

ब) कच्छ

स) झाबुआ जिले में

द) महात्मा गाँधी ने

ई) प्राथमिक क्षेत्र में

प्रश्न - 4.

अ) घाना पक्षी विहार भरतपुर (राजस्थान) में स्थित है।

ब) विभिन्न देशों में उत्पादन करने वाली कम्पनियों को बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ कहा जाता है।

स) भारत की स्वाधीनता के समय माउण्टबेटन भारत के वाईसराय थे।

द) मध्य प्रदेश की विधान सभा की सदस्य संख्या 230 है।

ई) वर्तमान में आरक्षित उद्योगों की संख्या तीन (3) है।

प्रश्न - 5 अ) फॉरवर्ड ब्लाक की स्थापना रास बिहारी बोस ने की थी [(X) असत्य]

5 [ ] + [ ] =

प्र. अंक

ब) सन् 1965 में के.एम. मुंशी ने वन महोत्सव प्रारम्भ किया [गलत (x) असत्य]

स) 1857 के संग्राम के समय भारत के गवर्नर जनरल लार्ड डलहौजी थे [गलत (असत्य)]

द) सर्वोच्च न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश एवं 29 अन्य न्यायाधीश होते हैं [सत्य (✓)]

इ) कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को प्रमाणित करने वाले चिन्ह को एगमार्क कहते हैं। [सत्य (✓)]

खण्ड - ब

प्र. 6 उ= कच्चे माल के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण निम्नानुसार किया जा सकता है :-

1) कृषि से आधारित कच्चा माल :- इस श्रेणी के अंतर्गत वे उद्योग आते हैं जिन्हें कच्चा माल कृषि से प्राप्त होता है। उदाहरण :- चीनी उद्योग के लिए गन्ना, सूती उद्योग के लिए कपास आदि।

2) खनिज पर आधारित कच्चा माल :- इस श्रेणी के अंतर्गत वे उद्योग आते हैं जिन्हें

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ क्र./क्र.

कच्चा माल भू-गर्भ से खनन से प्राप्त खनिज पदार्थ होते हैं।
उदाहरण – लोहा-इस्पात उद्योग के लिए लोह अयस्क आदि।

3) वन उत्पाद पर आधारित कच्चा माल:— इस श्रेणी के अंतर्गत वे उद्योग आते हैं जिनको कच्चा माल वन से प्राप्त होता है।

उदाहरण :— कागज उद्योग, इसे कच्चे माल के रूप में लुग्दी बाँस से प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त लाख उद्योग, गोंद उद्योग आदि।

प्र.7 उ: अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार उस व्यापार को कहते हैं जो दो या दो से अधिक राष्ट्रों के मध्य होता है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक निम्नलिखित हैं:—

(i) कटा-फटा समुद्री तट
(ii) सस्ते मूल्य
(iii) सामाजिक विभिन्नता
(iv) जनसंख्या की विभिन्नता
(v) विदेशी नीति
(vi) शांति

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का

I कटा-फटा समुद्री तट :— जिन देशों का तट कटा फटा होता है वे अधिक व्यापारिक उन्नति वाले राष्ट्र समझे जाते हैं। वहां के नागरिक कुशल व बहादुर होते हैं।

II सस्ते मूल्य :— विभिन्न देशों में सस्ते मूल्य होने के कारण अन्य देश उनसे आयात करते हैं तथा इस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहन मिलता है।

BSEMP

III सामाजिक विभिन्नता :— विभिन्न देशों के अपने-अपने अलग सामाजिक रीति रिवाज होते हैं। इस सामाजिक विभिन्नता के कारण उत्पादन पर भी असर पड़ता है व बाजार में विभिन्न उत्पाद आ गये हैं।

IV जनसंख्या की विभिन्नता :— अनेक राष्ट्रों के अपनी-अपनी अलग जनसंख्या घनत्व होते हैं। इस विषम घनत्व की जनसंख्या के कारण उत्पादों के उत्पादन पर भी इसका प्रभाव पड़ता है।

V विदेशी नीति :— अनेक देशों की अपनी अपनी विदेशी नीति होती है। विदेशी नीति की भिन्नता भी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करती है।

(8) + [=]

(ग) शांति :— अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के विकास के लिये विश्व में शांति होना आवश्यक है। युद्ध आदि के समय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का विकास नहीं होता।

प्र.8. उ = आपदा प्रबंधन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें इसके तत्व एक दूसरे के पहले व बाद में चलते हुए एक दूसरे के समानांतर चलते हैं। आपदा प्रबंधन संकुचन व फैलाव के मॉडल के अनुसार चलता रहता है। आपदा प्रबंधन विभिन्न मानवीय या प्राकृतिक आपदाओं के होने के पूर्व व पश्चात मानव को उसका सामना करने को तैयार करता है। अतः आपदा प्रबंधन में निरंतर विस्तार व संकुचन होता रहता है। इस प्रबंधन में पूर्व से तैयारी की जाती है ताकि आपदा को रोका जाए। आपदा घटने के पश्चात उसकी बचाव राहत कार्यवाही की जाती है। लोगों को सामान्य जीवन स्तर पर लाने का प्रयास किया जाता है, व उसके दुष्परिणामों को रोकने का प्रयास किया जाता है।

आपदा प्रबंधन के मुख्यतया चार तत्व हैं।

(i) पूर्व की तैयारी
(ii) राहत एवं बचाव कार्यवाही
(iii) सामान्य जीवन स्तर पर लाना

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

(iv) आपदा के दुष्परिणामों को कम करना एवं रोकथाम

उन उपायों के द्वारा आपदाओं को कम करने, नियंत्रित करने तथा उसके दुष्प्रभावों को रोकने में बहुत सहायता मिलती है।

प्र. 9. उ: 1857 का स्वतंत्रता संग्राम भारतीय इतिहास में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नाम से जाना जाता है। अंग्रेजों ने महज इसे एक सैनिक विद्रोह या जमींदारों में असंतोष कहकर इसके महत्व को कम आंका हो फिर भी भारतीयों के लिए यह प्रथम स्वतंत्रता संग्राम था। इस संग्राम ने भारतीयों में अंग्रेजों के विरुद्ध भावना का विकास किया। इस क्रांति के अनेक दूरगामी परिणाम सामने आए। 1857 की क्रांति निम्न कारणों से असफल रही:—

(i) परम्परावादी हथियार
(ii) सामन्तवादी स्वरूप
(iii) बहादुरशाह द्वितीय की अयोग्यता
(iv) राष्ट्रभाषा का अभाव

परम्परावादी हथियार :— इस क्रांति के समय भारतीय सैनिकों के पास तीर, भाला, तलवार आदि जैसे परम्परावादी हथियार ही थे जबकि अंग्रेजी सिपाही पूर्ण आधुनिक हथियार गोला, बारूद, तोप आदि का प्रयोग कर रहे

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

मध्यप्रदेश

BSEMP

वो भारतीय सैनिक अपने परम्परावादी हथियार लेकर ही युद्ध करने लगते थे जो उनकी पराजय का कारण बना।

II सामन्तवादी स्वरूप :— 1857 की क्रांति में जहाँ एक ओर अवध, कानपुर बुंदेलखण्ड, उत्तरी भारत के राजा अंग्रेजों के विरुद्ध क्रांति को संचालित कर रहे थे वहीं दूसरी ओर जींद, पटियाला, ग्वालियर के राजा क्रांति को दबाने में अंग्रेजों का साथ दे रहे थे। अतः यह क्रांति अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में असफल हो गई।

III बहादुरशाह द्वितीय की अनभिज्ञता :— क्रांतिकारियों द्वारा बहादुरशाह द्वितीय को भारत का सम्राट घोषित करने के उपरांत भी बहादुरशाह के लिए यह क्रांति उतनी ही आकस्मिक थी जितनी अंग्रेजों के लिए। परिणाम यह हुआ की लेफ्टीनेंट हडसन ने उन्हें पकड़कर रंगुन (बर्मा) निर्वासित कर दिया।

IV राष्ट्रभाषा का अभाव :— तत्कालीन समय में अंग्रेजी की केवल एक भाषा थी जिसका प्रयोग वे सुचना प्रसार के लिए करते थे किन्तु एक राष्ट्र भाषा के अभाव में भारतीय सैनिक एक दूसरे के संदेश प्राप्त करके भी उससे अवगत नहीं हो पाते थे।

पृष्ठ के अंकों का योग

प्र.10 उ:- सन् 1962 में तिब्बत को लेकर भारत व चीन के मध्य 20 अक्टूबर को युद्ध प्रारम्भ हुआ। कुछ भी निष्कर्ष नहीं निकलने पर चीन ने एकतरफा युद्ध विराम घोषित कर दिया। भारत-चीन युद्ध के निम्नलिखित परिणाम निकले हैं:-

(i) भारत का एक बहुत बड़ा भाग चीन में चला गया।

(ii) भारत चीन संबंधों में खटास उत्पन्न हुई व संबंध तनावपूर्ण हो गए।

(iii) भारत की गुट निरपेक्ष नीति को बहुत प्रभाव पड़ा।

(iv) भारतीय गुट निरपेक्ष नीति में व्यवहारिकता व यथार्थवाद को स्थान मिला।

(v) भारत-अमेरिका संबंधों में सुधार हुई।

(vi) भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि धुमिल हो गई।

प्रश्न-11 उ:- राष्ट्रपति की संघात्मक शासन की वह प्रक्रिया जिसमें शासन की शक्तियां केन्द्र व राज्यों के मध्य विभाजित रहती हैं, संविधान

BSEMP

सर्वोच्च होता है तथा सर्वोच्च न्यायालय उसकी रक्षा करता है। संविधान प्रायः कठोर होता है, शासन के इस प्रक्रिया को संघात्मक शासन प्रणाली कहा जाता है। भारतीय संविधान में अनेक संघात्मक लक्षण मौजूद हैं। प्रमुख संघात्मक विशेषताएं निम्नानुसार हैं:—

(i) संघात्मक शासन
(ii) शक्तियों का विभाजन
(iii) संविधान की सर्वोच्चता एवं उसका लिखित होना
(iv) द्विसदनात्मक व्यवस्था
(v) न्यायपालिका की सर्वोच्चता

I संघात्मक शासन :— भारतीय संविधान में संघात्मक शासन को अपनाया गया है। भारतीय संविधान द्वारा देश को संघ व राज्य सरकारों के मध्य विभाजित कर दिया गया है। दोनों अपनी-अपनी शक्तियों का प्रयोग कर कानून बनाती हैं तथा शासन करती हैं।

II शक्तियों का विभाजन :— भारतीय संविधान ने केंद्र व राज्य सरकारों के मध्य शक्तियों का स्पष्ट विभाजन कर दिया है। शक्तियों का विभाजन निम्नानुसार है :—

I संघीय सूची

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

II
राज्य सुची
III
समवर्ती सुची
IV
अवशिष्ठ शक्तियाँ

III
संविधान का सर्वोच्च एवं लिखीत होना :- संविधान निर्माताओं ने भारतीय संविधान की प्रत्येक धाराओं के लिख दिया है। संविधान सर्वोच्च है तथा किसी के द्वारा भी बदला नही जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय संविधान का संरक्षक है।

IV
द्विसदनात्मक व्यवस्था :- भारतीय संसद के दो सदन हैं। निम्न सदन तथा उच्च सदन। निम्न सदन को लोकसभा तथा उच्च सदन को राज्यसभा कहते हैं। अतः भारतीय संविधान में द्विसदनात्मक व्यवस्था पाई गई है जो संविधान के सुचारु रूप के लिए आवश्यक है।

V
न्यायपालिका की सर्वोच्चता :- भारतीय संविधान द्वारा न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उसका निर्णय अंतिम होता है। सर्वोच्च न्यायालय संविधान की रक्षा करते हैं तथा संविधान विरोधी नीतियों का निरपादन करता है।

B S E M P

प्र.12 उ:- देश में ग्रामीण व गरीब नागरिकों के बैंकों से जोड़ने के उद्देश्य से स्व सहायता समूहों की स्थापना की गई है। स्व सहायता समूह से महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत प्रभाव पड़ा है। स्व सहायता समूह के सदस्यों की अधिकतम संख्या २० होती है तथा ये समूह महिलाओं के हो सकते है, पुरुष के हो सकते है तथा महिलाओ व पुरुष दोनों के हो सकते है। प्राय: महिलाओ के समूह अधिक सफल रहे है।

स्व सहायता समूह के गठन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है:-

i) सदस्यों की समस्याओं का मिल-जुलकर समाधान करना।

ii) सदस्यों के बेहतर भविष्य के लिए बचत की प्रेरणा देना।

सदस्यों को स्वावलंबी बनने की प्रेरणा देना।

ऋण उपलब्ध कर सदस्यों को रोजगार प्रदान करना।

5) शिक्षा, स्वास्थ्य, घरेलु हिंसा जैसे विषयों के प्रति जागरूकता लाना।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

vi) बैंक, वित्तीय संस्था की सहायता से विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम करना।

प्र.13 उ= (i) सूर्य का प्रकाश :—

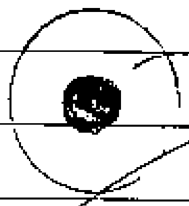

(ii) सबल समीर

(iii) झंझा

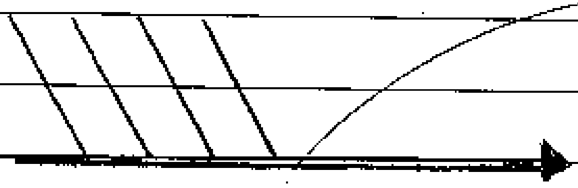

(iv) वर्षा

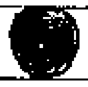

(v) हिम

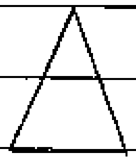

प्रश्न 14 उ.= 1857 की क्रांति भारतीय इतिहास में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नाम से जानी जाती है। इस क्रांति के होने के लिए अनेक कारण जिम्मेदार है। 1857 की क्रांति के प्रमुख कारण निम्नानुसार है :—

(i) राजनीतिक कारण। (v) तत्कालिक कारण।
(ii) सामाजिक व धार्मिक कारण।
(iii) सांस्कृतिक कारण।
(iv) आर्थिक कारण।

I राजनीतिक कारण :— अंग्रेजी की राज्य विस्तार नीति के कारण अनेक राज्यों को अंग्रेजी साम्राज्य में विलय कर लिया गया था। अंग्रेजो ने नागपुर, झाँसी, सतारा, जैतपुर, सम्बलपुर आदि अनेक साम्राज्यों को अपने अधीन कर लिया था। लार्ड डलहौजी की हड़प नीति व लार्ड वेलेजली की सहायक संधि ने अनेक राज्यों को अपने साम्राज्य में मिला लिया। अवध, तंजौर के नवाबों की राजकीय उपाधियों को समाप्त कर अंग्रेजों ने राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न कर दी थी जिससे भारतीय शासकों में अत्याधिक असंतोष व्याप्त हो गया था। इस कारण अनेक जमींदार व साहुकार भी अंग्रेजों के विरुद्ध हो गये।

BSEMP

घ. सामाजिक तथा धार्मिक कारण :- लार्ड मैकाले की शिक्षा नीति भारतीयों के समाज पर आतंक थी वह पूर्वाग्रहों से प्रेरित थी और देशी भाषाओं में शिक्षा दिये जाने का समर्थन नही करता था। मैकाले का इस समय पर लिख कुछ ऐसे वर्ग को तैयार करना था जो अंग्रेजी शासन में सहायता करे। भारतीयों ने अपनी भाषा में शिक्षा न दिये जाने को अपने धर्म पर आक्रमण समझा व अंग्रेजों का विरोध किया।

III. सांस्कृतिक कारण :- अंग्रेज भारतीयों को इसाई बनाना चाहते थे। उन्होंने लोगों को ईसाई धर्म में परिवर्तित होने के लिए विशेष सुविधाओं का प्रलोभन दिया, स्कूलों में ईसाई धर्म का प्रचार किया व मेजर एडवर्ड ने कहा था कि :- "भारत पर हमारे अधिकारों का अंतिम उद्देश्य भारत को ईसाई बनाना है। अंग्रेजों ने सती प्रथा बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथाओं को रोका जिससे भारतीय अंग्रेजों के खिलाफ हो गए।

IV. आर्थिक कारण :- औद्योगिक नीति के द्वारा अंग्रेजों ने भारतीय कुटीर उद्योगों पर रोक लगा दी किसानों से बहुत अधिक लगान वसूला जाने लगा जिससे वे अंग्रेजों के विरुद्ध हो गए। आम जनता पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ा।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

तत्कालिक कारण :- बैरकपुर (बंगाल) छावनी में मंगल पाण्डे नामक एक सैनिक अधिकारी ने चर्बी वाले कारतुस को मुंह से काटने से मना कर दिया व क्रोधित होकर अनेक ब्रिटिश अधिकारियों को मार दिया। इससे उसे 29 मार्च 1857 को पकड़ लिया गया। व 8 अप्रैल 1857 को उसे फांसी पर चढ़ा दिया गया।

प्र. 15 उ:- 1942 में जापान द्वारा भारतीय सेना को गिरफ्तार कर लिया गया। इन सैनिकों में एक कैप्टन मोहनसिंह भी थे। उन्होंने भारतीय सैनिकों को एकत्रित करके आजाद हिंद फौज की स्थापना की। सन् 1943 में जब सुभाषचंद्रबोस जापान पहुंचे तो डा. रासबिहारी बोस ने आजादहिंद फौज का कार्यभार उन्हें संभाला। सुभाषचन्द्रबोस ने आजादहिंद फौज का कार्यभार सम्भालते हुई यह संकल्प किया कि मैं भारत माता की कसम खा कर कहता हुँ की भारत व उसके 38करोड़ लोगों की रक्षा अपने प्राणों के अंतिम क्षण तक करूंगा। उन्होंने "दिल्ली चलो" का नारा भी दिया। सन् 1944 में उन्होंने जापान जाकर भारतीय सैनिकों को मुक्त कराया। तदुपरान्त उन्होंने रामु, पलेम, तिद्दिम, आदि राज्यों को भी अंग्रेजों के चंगुल से मुक्त कराया। सन् 1944 में उन्होंने इम्फाल पर आक्रमण किया परन्तु वर्षा के आधिक्य एव रसद की कमी

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

के कारण उन्हें पुन: लौटना पड़ा। सन् 1945 में एक हवाईजहाज में यात्रा करते समय हवाई दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। परन्तु कई इतिहासकार इस बात से सहमत नहीं हैं। उनकी मृत्यु के पश्चात आजाद हिंद फौज ढिल्लों, सहगल, किल्लन, शाहनवाज खां आदि को ब्रिटिश सरकार ने कैद कर दिया किंतु देश भर से उनकी रिहाई की मांग उठी। इससे झुककर अंततः ब्रिटिश सरकार को उन्हें रिहा करना पड़ा। इससे भारतीय जल, थल व वायु सेना का मनोबल ऊंचा हुआ व उन्होंने भी ब्रिटिश शासन का विरोध किया।

प्र. 16 उ. - भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—

(i) संसदात्मक शासन
(ii) सार्वभौमिकता
(iii) सर्वोच्च सम्पन्न
(iv) समाजवाद एवं पंथ निरपेक्ष
(v) वयस्क मताधिकार
(vi) राज्य के नीति निर्देशक तत्व
(vii) इकहरी नागरिकता
(viii) न्यायपालिका की सर्वोच्चता

REMP

I संघात्मक शासन :— भारतीय संविधान में संघात्मक शासन के सिद्धांत को अपनाया गया है। इसके अनुसार भारत संघ राज्यों का एक संघ है। भारत में केन्द्र व राज्य सरकारें पाई जाती हैं। दोनों के पास अपनी अपनी शक्तियाँ हैं।

II सार्वभौमिकता :— भारत के प्रत्येक नागरिक को सार्वभौमिकता का सिद्धांत प्रदान किया गया है। संविधान द्वारा यह स्पष्ट कर दिया गया है कि सभी नागरिक संविधान के समक्ष समान हैं।

III सर्वप्रभुत्व संपन्न :— संविधान द्वारा यह स्पष्ट कर दिया गया है कि भारत अंतर्राष्ट्रीय संधि का पालन करेगा व स्थिति के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार का आचरण करेगा। उस पर किसी भी विदेशी सत्ता का दबाव नहीं रहेगा।

समाजवाद एवं धर्मनिरपेक्षता :— भारतीय संविधान में समाजवाद को अपनाया गया है। इसके अनुसार सभी भारतीय समाज के अभिन्न अंग हैं। भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का सिद्धांत अपनाया गया है। जिसके अनुसार प्रत्येक भारतीय को अपनी इच्छानुसार धर्म अपनाने की

BSEMP

पूर्ण स्वतंत्रता है।

(थ) वयस्क मताधिकार :- संविधान द्वारा यह स्पष्ट कर दिया गया है कि भारत का प्रत्येक नागरिक जो 18 वर्ष की उम्र प्राप्त कर चुका हो उसे मत देने व चुनाव लड़ने का अधिकार प्राप्त है।

(द) राज्य के नीति निर्देशक तत्व :- संविधान ने राज्य के सुचारू शासन के लिए मूलभूत नियमों का निर्माण किया है जिसे राज्य के नीति निर्धारित करने वाले निर्देशक तत्व कहा जाता है।

(ध) इकहरी नागरिकता :- संविधान द्वारा प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार प्रदान किया गया है कि वह शासन के संचालन में पूर्ण रूप से सहयोगी होगा व शासन सत्ता के द्वारा ही चलाया जाएगा।

(न) न्यायपालिका की सर्वोच्चता :- संविधान की रक्षा करने के लिए न्यायपालिका को सर्वोच्चता प्रदान की गई है। वह संविधान की रक्षा करती है व गलत कानूनों का निरपादन करती है।

B
S
E
M
P

प्रश्न नं 19 उ = भारत में बेरोजगारी एक विकराल समस्या है। इसे दूर करने के उपाय निम्न हैं :—

1] जनसंख्या वृद्धि पर रोक :— भारत की जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है। बेरोजगारी की समस्या को रोकने के लिए जनसंख्या वृद्धि को रोकना आवश्यक हो गया है। सन् 1901 में भारत की जनसंख्या 23.4 करोड़ थी जो सन् 2001 में बढ़कर 102.7 करोड़ हो गई है।

2] व्यवसायिक शिक्षा :— विद्यार्थियों को व्यवसायिक शिक्षा दी जानी चाहिए जिससे वे रोजगार मूलक शिक्षा ग्रहण कर सकें। व्यवसायिक शिक्षा से बेरोजगारी में कमी आएगी व सभी को रोजगार प्राप्त होगा।

3] सहायक उद्योगों का विकास :— प्रत्येक गाँव में सहायक उद्योगों की स्थापना की जानी चाहिए जिससे कृषि के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन आदि में वृद्धि हो व बेरोजगारी की समस्या दूर हो जाए।

[4] विभिन्न प्रशिक्षण :— राज्यों में विभिन्न प्रशिक्षण

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग [ ]

की शिक्षा दी जानी चाहिए जिससे लोग अनेक तरह की वस्तुओं का उत्पादन सीखे व बेरोजगारी में कमी हो।

v] कुटीर व लघु उद्योगों का विकास :- ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर व लघु उद्योगों का विकास करना चाहिए। अनेक घरेलु उत्पाद से लोगों को रोजगार प्राप्त होगा व देश से बेरोजगारी की समस्या का समाधान होगा।

B S E M P

प्र.4. उ.:- उपभोक्ता शोषण के प्रमुख प्रकार निम्न हैं:-

i] ऊँची कीमतें :- व्यापारी उपभोक्ताओं से उत्पादों की ऊँची कीमतें वसुलते हैं जिससे उनका शोषण होता है।

ii] घटिया गुणवत्ता :- व्यापारी उपभोक्ताओं को वस्तुओं की घटिया गुणवत्ता युक्त करके बेचते हैं व अधिक कीमत वसुलते हैं जिससे वह स्वयं का लाभ करते हैं व उपभोक्ताओं को ठग लेते हैं।

iii] मिलावट एवं अशुद्धता :- उपभोक्ताओं के शोषण के लिये व्यापारी उत्पादों में अनेक निम्न कोटी की वस्तुएँ मिलाते हैं जैसे दाल मे खेसरी दाल को मिलाकर ऊँची कीमत पर बेची जाती है।

पृष्ठ के अंकों का योग

iv) कालाबाजारी एवं जमाखोरी :- व्यापारी किसी त्यौहार आदि के समय उपभोक्ताओं से अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से वस्तुओं का कृत्रिम अभाव करते हैं फिर बाद में उसे महंगे दाम पर बेचते हैं। इससे उन्हें लाभ होता है।

v) कम तौलना :- व्यापारी उपभोक्ता के शोषण के लिए अपने कांटे के नीचे चुंबक लगाते हैं, कम तौलते हैं। जिससे उपभोक्ता ठगा जाते हैं।

vi) दुर्व्यवहार एवं अनावश्यक शर्तें :- व्यापारी कई बार उपभोक्ताओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं तथा अनेक प्रकार की अनावश्यक शर्तें करते हैं।

vii) बेचने के बाद दी जाने वाली सेवाओं की असंतुष्टी :- व्यापारी उपभोक्ताओं को बेचने के अनेक प्रकार के प्रलोभन देते हैं किंतु बाद में वे सेवाएं उपलब्ध नहीं करते हैं।

प्रश्न -19- उ= अर्थव्यवस्था का वह प्रकार जिसमें पूंजीवाद व समाजवाद दोनों व्यवस्थाओं को एक साथ मिलाया जाए, उसे मिश्रित अर्थव्यवस्था कहते हैं। मिश्रित अर्थव्यवस्था के प्रमुख लक्षण निम्नलिखित हैं :-

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

1. केन्द्र की सील
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक 7.3.09
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक केन्द्राध्यक्ष केन्द्र क्र. 461019
6. परीक्षा का नाम हाई स्कूल
7. विषय सामाजिक विज्ञान 8. माध्यम अंग्रेजी
8. दिनांक 7-3-09

परीक्षक के लिये

[redacted]

पृष्ठ

B S E M P

i) उत्पादन के साधन पर मिश्रित अधिकार :- इस व्यवस्था में उत्पादन के साधन पर सरकार व आम नीजि व्यक्तियों दोनों का अधिकार होता है।

ii) उपभोक्ताओं की प्रभुसत्ता का अंत :- मिश्रित अर्थव्यवस्था में अनेक उपभोक्ताओं की प्रभुसत्ता का अंत हो जाता है व उत्पादन सरकार के अनुसार होता है।

iii) कीमत तंत्र का अंत :- इस आर्थिक प्रणाली में कीमत तंत्र का अंत हो जाता है व बाजार में उतार चढ़ाव नहीं आते हैं।

v) सत्ता का केन्द्रीयकरण :- इस अर्थव्यवस्था में सत्ता का केन्द्रीयकरण हो जाता है व नागरिकों का सम्पर्क सीधा सरकार से होता है।

पृष्ठ के अंकों का योग

② [ ] = [ ]

v) व्यापार चक्र :- इस अर्थव्यवस्था में सत्ता सरकार के पास होती है इसलिए कीमत कम ज्यादा नही होती है व व्यापार चक्र नही आते।

vi) सामाजिक सुरक्षा :- मिश्रित अर्थव्यवस्था मे नागरिको को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। वृद्धो को पेंशन, बीमा आदि प्रदान किया जाता है।

प्र. २० उ:- जल मानव जीवन के लिए मूल्यवान प्राकृतिक संसाधन है। मानव जीवन के 70% भाग मे जल पाया जाता है। जल के बिना जीवन संभव नही है। पिछले कुछ वर्षो से जल का दुरुपयोग हुआ है। इसलिए जल का संरक्षण आवश्यक है। जल को सरक्षित कर नागरिको के जलप्रदाय की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है। जलस्तर मे वृद्धि होती है तथा बाढ़ आने की सम्भावनाएं समाप्त हो जाती है। अत: जल का संरक्षण आवश्यक है। जल संरक्षण के प्रमुख उपाय निम्नलिखित है :—

i) उचित जल का कुशलतम उपयोग :- जो जल हमारे पास उपलब्ध है उसका उपयोग हमे बिल्कुल सही व कुशलतम तरीके से करना चाहिए।

ii) जल का संरक्षण :- नागरिको को जल का संरक्षण

B S E M P

③ [+ [=]
योग
पृष्ठ 3 का योग

करना चाहिए। जल के अपवाह को रोकना चाहिए। फिजूल खर्चे को नियंत्रित करना चाहिए।

iii) वर्षा जल का संरक्षण :- वर्षा के जल को छोटे छोटे तालाबों, जल संभर मे सुरक्षित रखना चाहिए जिससे गर्मी के दिनो मे उसका उपयोग किया जा सके।

iv) नागरिको को शिक्षा :- नागरिको को जल के अपव्यय को रोकने के लिए जागरूक बनाना चाहिए व उपयुक्त जल का किसी सही कारण के लिए प्रयोग करना चाहिए।

v) वर्षा के अपव्यय पर रोक :- वर्षा के जल के अपव्यय पर रोक लगानी चाहिए व नागरिको को वर्षा के जल का संरक्षण करना चाहिए।

प्रश्न 21 के = 1965 का युद्ध 14 दिनो तक चला इस युद्ध के दौरान 240 mile² का हिस्सा पाकिस्तान के पास चला गया व 7 पर mile² का हिस्सा भारत के पास रह गया। इस युद्ध के निम्न परिणाम निकले :-

1) भारत - पाकिस्तान युद्ध मे पाकिस्तान युद्ध से

B S E M P

पृष्ठ के कुल का योग

4 [ ] + [ ] = [ ]

पृष्ठ 4 के अंक कुल

अपनी मनोकामना पूरी करना चाहता था परन्तु वह असफल हो गया।

ii) पाकिस्तान सोचता था कि जब युद्ध होगा तो काश्मीर उसकी सहायता करेगा परन्तु ऐसा नहीं हुआ

iii) युद्ध के समय भारतीय सैनिकों के पास स्वदेशी हथियार थे व उनका मनोबल ऊंचा रहा।

iv) युद्ध में पाकिस्तान की हार हुई। पाकिस्तान के सैनिकों के खोखले तानाशाही को प्रकृत किया।

v) भारत - अमेरिका संबंधों में सुधार हुआ।

vi) पाकिस्तान मानता था कि चीन उसका साथ देगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

पाकिस्तान के लिए यह युद्ध घातक सिद्ध हुआ।